सेवाधारी फरिश्ता महान

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **Godly Angel on Service – Hindi poem**

भरकर मैंने ऊंची उड़ान , बन गया हूँ फरिश्ता महान

देह का सम्बन्ध नहीं लुभाए , जब बाबा मुझे वतन में बुलाए

देह का आकर्षण भूलाकर , आत्म पंछी रूप अपनाकर

पवित्रता के मैं पंख लगाकर , उड़ता जाऊँ मैं विश्व सेवा पर

किसी आकर्षण में रुकता नहीं , सेवा करने से मैं थकता नहीं

मैं फ़रिश्ता हूँ सदा सुखदाता , बाबा से सब गुण शक्ति पाता

निश्वार्थ और समर्पित भाव से , हर आत्मा पर मैं सुख बरसाता

आ जाओ आप भी मेरे संग में , रंग लो खुद को प्रभु के रंग में

तुम भी फरिश्ता बनते जाओ , रूहानी प्यार बाबा से पाओ

भरकर झोली प्यार से अपनी , सब पर अब खुशियाँ बरसाओ

ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For **More Poems**, visit – www.bkofficial.com/poems

OR scan this QR code with your phone camera ->